

भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2056

गुरुवार, 12 दिसम्बर, 2024/21 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

तंजावुर के चोल मंदिरों का संवर्धन

2056 श्री एस. कल्याणसुन्दरमः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) सरकार द्वारा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों तंजावुर के महान जीवंत चोल मंदिरों के संवर्धन के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और उसका ब्यौरा क्या है;
- (ख) इसके लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है; और
- (ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय संवर्धनात्मक कार्यक्रमों, मेलों और उत्सवों के आयोजन हेतु हितधारकों, राज्य सरकारों को सहायता, प्रदर्शनियों में भागीदारी, वेबसाइट और सोशल मीडिया सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से तंजावुर के प्रसिद्ध जीवंत चोल मंदिरों सहित भारत के विभिन्न पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

मंत्रालय अपने घरेलू पर्यटन कार्यालय के माध्यम से विश्व विरासत स्थल के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को प्रदर्शित करने के लिए श्री बृहदेश्वर मंदिर, तंजावुर में विश्व पर्यटन दिवस समारोह, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, हेरिटेज वॉक आदि जैसी गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित करता है।

मंत्रालय ने देश में स्थाई और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के साथ साझेदारी में पर्यटन स्थलों के एकीकृत विकास के लिए एक सुदृढ ढांचा तैयार करने के अभियान सहित अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के तौर पर नया रूप दिया है। तंजावुर को संस्कृति और विरासत श्रेणी के तहत चुनौती आधारित गंतव्य विकास योजना, जो कि एसडी 2.0 के तहत एक उप योजना है, के तहत 25 करोड़ रुपये की राशि से विकास के लिए चिह्नित किया गया है।
